सुबह सुबह क्यों गाते पंछी

जनेले द्लामिनी, एमानुएल ग्रेबो, जोसेफ मकोंगो किउगु

अनुवाद: आशुतोष उपाध्याय

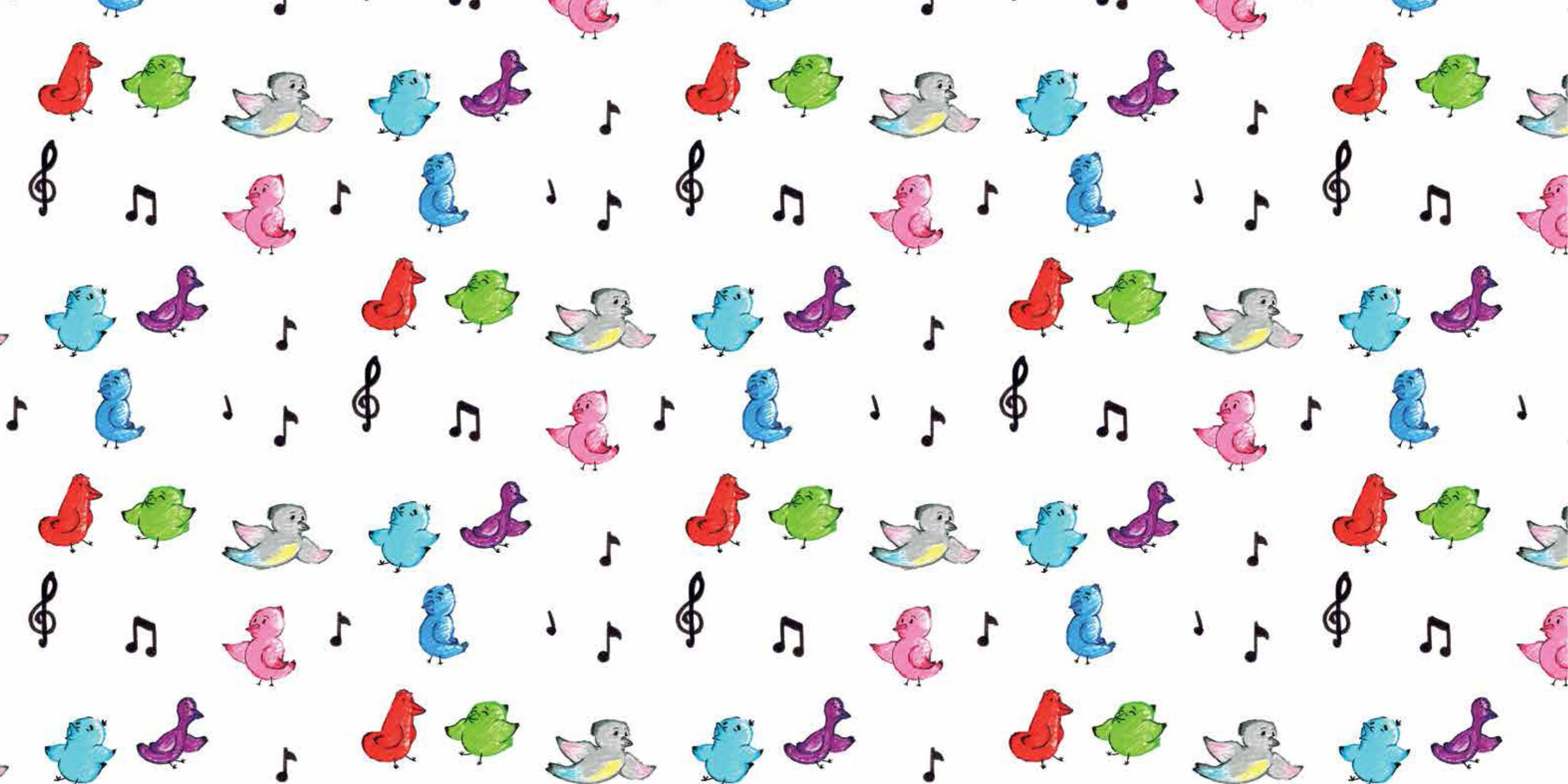

Every child should own a hundred books by the age of five. To that end, Book Dash gathers creative professionals who volunteer to create new, African storybooks that anyone can freely translate and distribute. To find out more, and to download beautiful, print-ready books, visit bookdash.org.

Why Birds Sing at Dawn
Illustrated by Emmanuel Grebo
Written by Zanele Dlamini
Designed by Joseph Makongo Kiugu
Edited by Joey Kok
with the help of the Book Dash participants in Johannesburg on 26 October 2019.

ISBN: 978-1-928497-87-5

This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 Licence (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/). You are free to share (copy and redistribute the material in any medium or format) and adapt (remix, transform, and build upon the material) this work for any purpose, even commercially. The licensor cannot revoke these freedoms as long as you follow the following license terms:

Attribution: You must give appropriate credit, provide a link to the license, and indicate if changes were made. You may do so in any reasonable manner, but not in any way that suggests the licensor endorses you or your use.
No additional restrictions: You may not apply legal terms or technological measures that legally restrict others from doing anything the license permits.
Notices: You do not have to comply with the license for elements of the material in the public domain or where your use is permitted by an applicable exception or limitation.
No warranties are given. The license may not give you all of the permissions necessary for your intended use. For example, other rights such as publicity, privacy, or moral rights may limit how you use the material.

सुबह सुबह क्यों गाते पंछी

जनेले द्लामिनी, एमानुएल ग्रेबो, जोसेफ मकोंगो किउगु

अनुवाद: आशुतोष उपाध्याय

बहुत पुरानी बात है। एक था हैप्पी-लेंड जंगल,
जहाँ पक्षी और पेड़ आपस में बातें कर लेते थे।

वहाँ चिड़ियों का एक परिवार रहा करता था, जिसमें तीन बच्चे थे:
नीलू, पीलू और गुलाबो।

वे सब एक ज्ञानी पेड़ पर रहते थे।
उस पेड़ को सब ममांगो बुलाते थे।

चिड़िया माँ बड़ी सुंदर आवाज़ में गाया करती थी!
वह सुबह-सुबह उठकर अपना गाना सुनाती थी।

लेकिन एक बार जंगल में भयंकर सूखा पड़ा।
नदियाँ सूख गयीं और पत्ते झड़ने लगे।

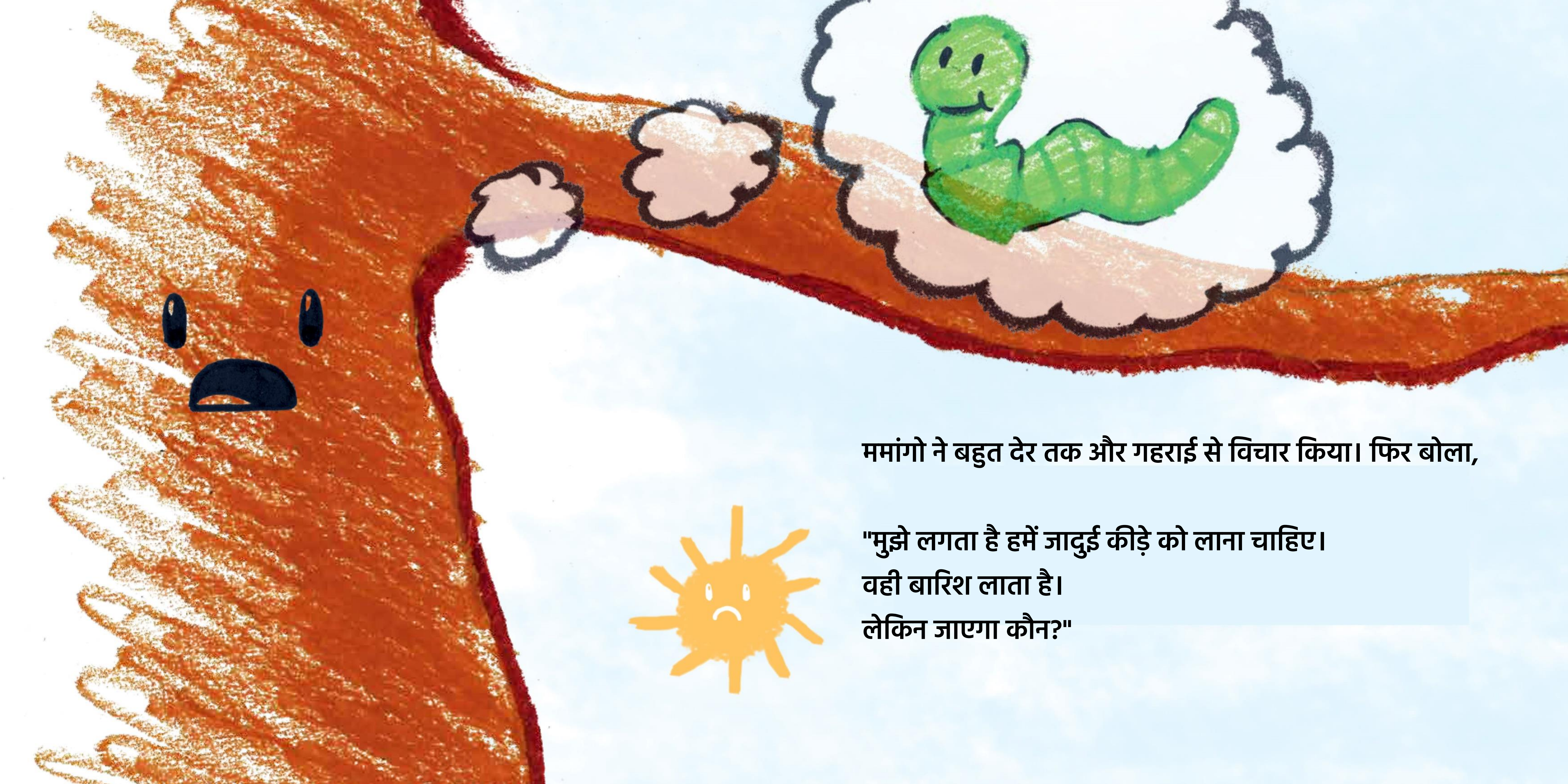

ममांगो ने बहुत देर तक और गहराई से विचार किया। फिर बोला,

"मुझे लगता है हमें जादुई कीड़े को लाना चाहिए।
वही बारिश लाता है।
लेकिन जाएगा कौन?"

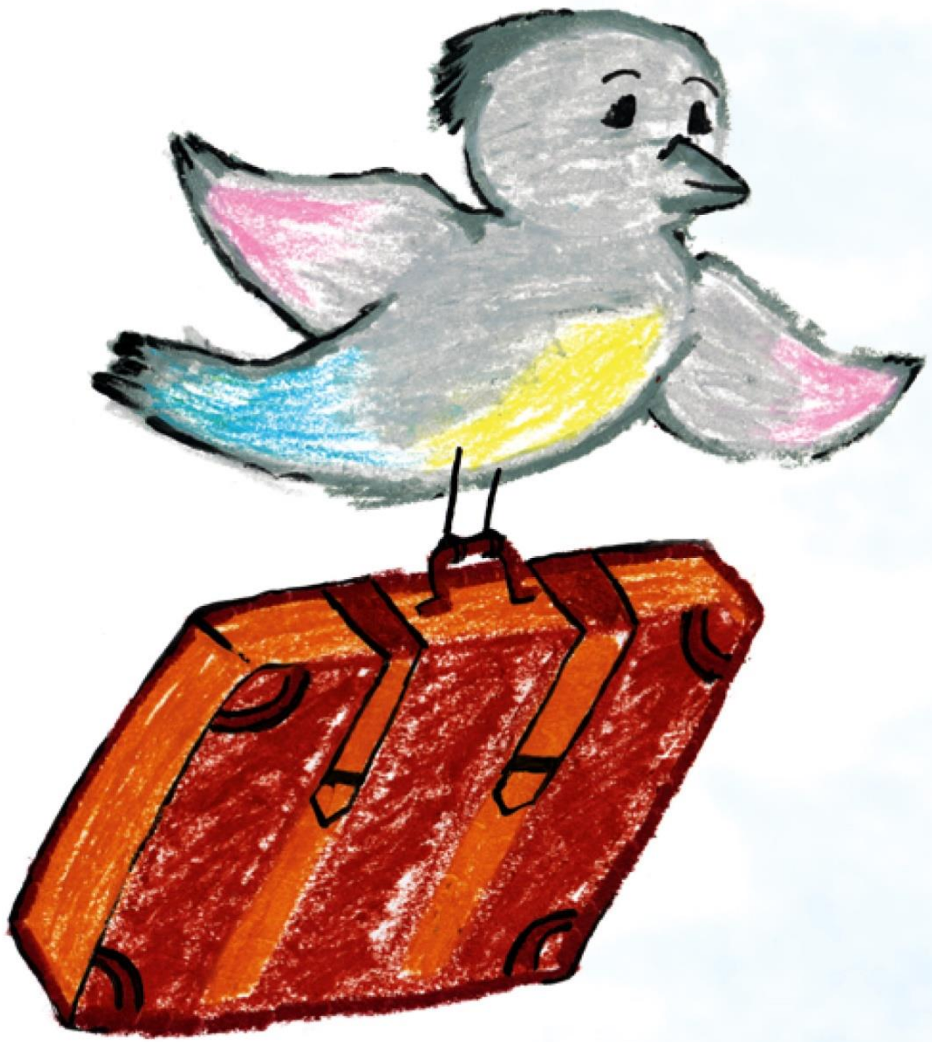

"मैं जाऊँगी। मैं नहीं डरती," चिड़िया माँ बोली।

और वह चल पड़ी।

सभी को चिड़िया माँ और उसके गाने की कमी बहुत खलती।
क्या वह कभी वापस घर लौट पाएगी?

"क्या होगा अगर हम माँ का गाना गाएं?" पीलू ने पूछा।

"माँ ने कहा था अगर हम उसका गाना गाएंगे तो
उसे वापसी का रास्ता मिल जाएगा।"

"लेकिन मुझे तो गाना नहीं आता!"
गुलाबो सुबकते हुए बोली।

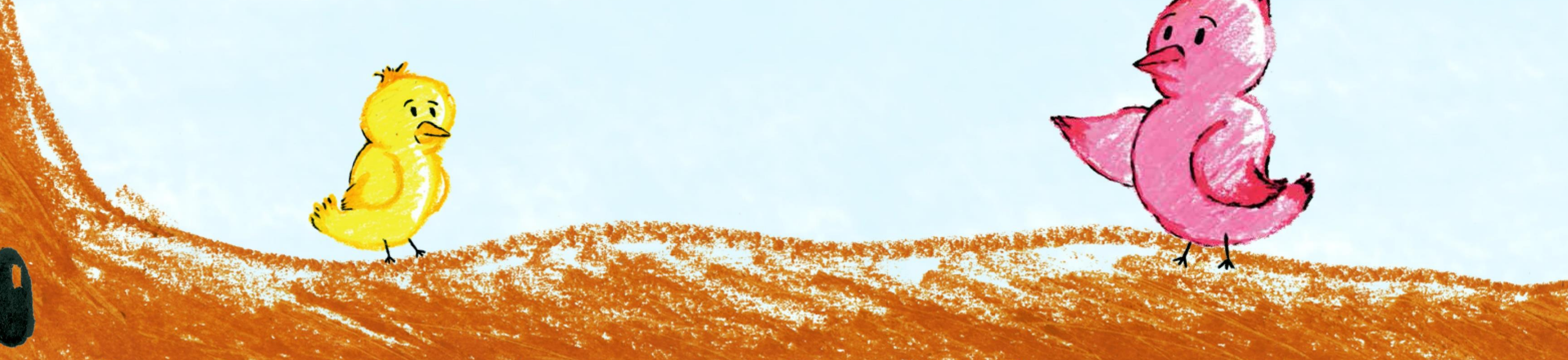

"क्या तुमने कभी गाने की कोशिश की है?"
ममांगो ने दूसरे बच्चों से पूछा।

"हाँ मैंने गाने की कोशिश की है,"
पीलू ने कहा।

"मैं तुम्हें सिखाऊँगा।"

अगले दिन सुबह-सुबह, पीलू चिड़िया माँ का गाना गाने लगा!

"सुबह की किरणें लगीं दमकने...

हम भी उठकर लगे चमकने!... "

और फिर बारिश होने लगी।

यह देखकर सभी पक्षी पीलू के साथ-साथ गाने लगे।

चिड़िया माँ को भी हैप्पी-लेंड जंगल का रास्ता मिल गया।
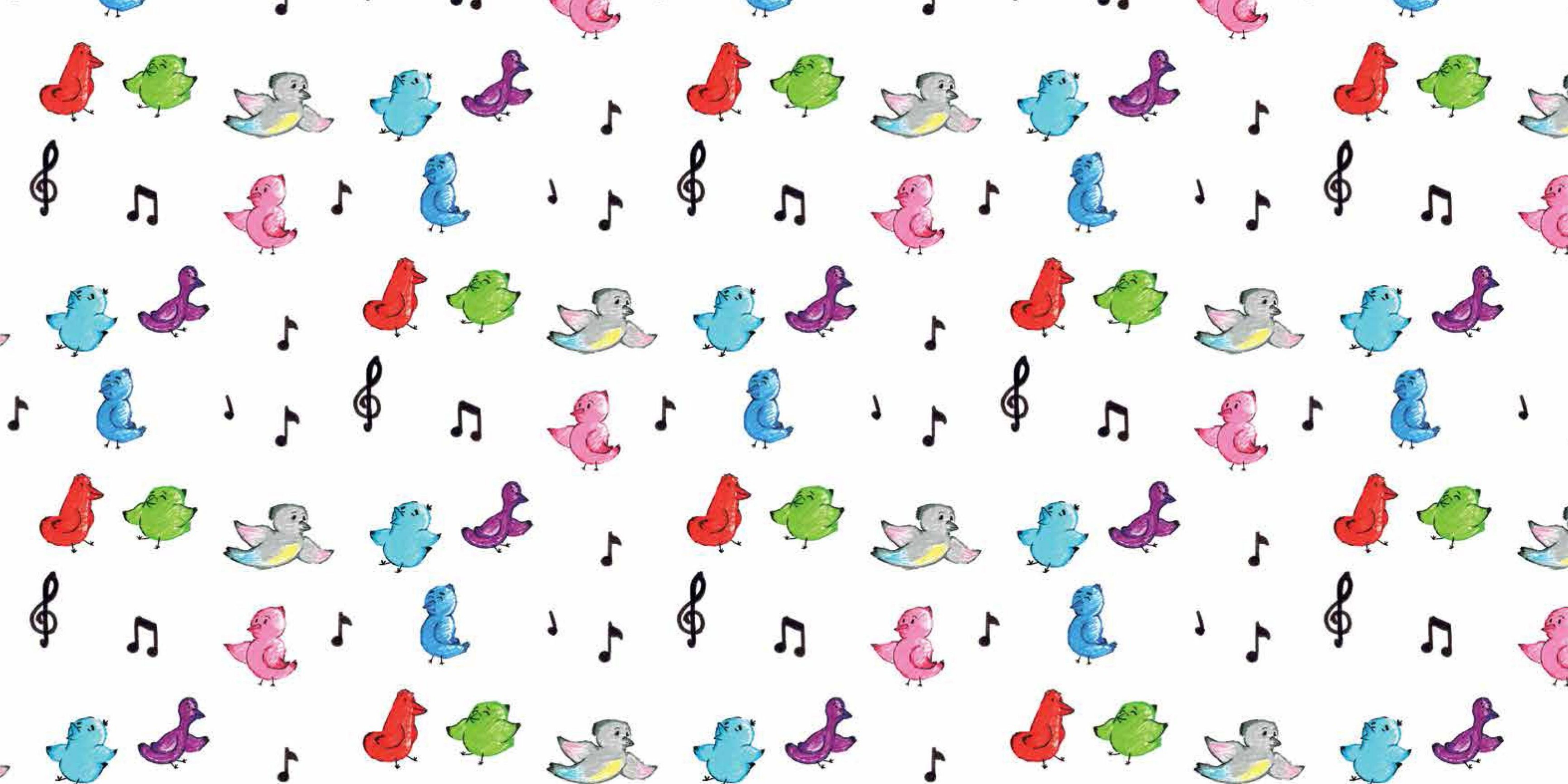
और उस दिन के बाद पक्षी रोज सुबह-सुबह गाने लगे।